नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आर्थिक आज़ादी और आत्मनिर्भर भारत

15 अगस्त, 1947 को हमने राजनैतिक स्वतंत्रता पाई. इतने वर्षों की यात्रा के रूप में भारत ने खुद को दुनिया के समक्ष एक सशक्त लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों को मानने वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है. पिछले 78 वर्षों के दौरान भारत ने अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, लेकिन चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई है इसलिए हमें इन सभी चुनौतियों का एकजुटता के साथ मुकाबला करना है. पहलगाम हमला और हमारी अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की सोच इस बात का उदाहरण है कि कुछ देश भारत की हर तरह की आजादी पर ग्रहण लगना चाहते हैं . लेकिन इस तरह के हमलों का देश की जनता ने जिस तरह से एकता के साथ जवाब दिया उसकी मिसाल नहीं मिलती.

दरअसल, आज़ादी तभी सार्थक होती है, जब वह आर्थिक रूप से भी सशक्त हो. आज जब हम स्वतंत्रता के 79 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, हमें यह याद रखना होगा कि आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है .आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं कि हम वैश्विक व्यापार से अलग हो जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी उत्पादन क्षमता, नवाचार और तकनीकी दक्षता में इतने सक्षम हों कि कोई बाहरी दबाव हमारी प्रगति की दिशा तय न कर सके. आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य यह है कि हम अपने संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए दुनिया में सम्मानजनक हिस्सेदारी बनाए रखें. कृषि, उद्योग, रक्षा उत्पादन, ऊर्जा और डिजिटल क्षेत्र में स्वदेशीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाना इसी दृष्टि का हिस्सा है. आत्मनिर्भरता और स्वालंबन में एक आम आदमी भी अपना योगदान दे सकता है. उदाहरण के लिए दिवाली के दीए हम मिट्टी के जलाएं तो इससे हमारे छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों को फायदा हो सकता है. पर्यटन, ग्राम शक्ति, लघु उद्योग, कृषि उद्योग इत्यादि क्षेत्रों पर हमें फोकस करना होगा. अमेरिका द्वारा लगाया जा रहा अन्याय पूर्ण टैक्स भी हमारे लिए एक अवसर है. स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की अलख जगा कर हम आर्थिक आजादी का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं.

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है. यहां अनेक भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां और परंपराएं हैं, लेकिन इन सबको जोड़ने वाली डोर है भारतीयता. यही सामाजिक एकजुटता हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की नींव है. लोकतंत्र केवल चुनावी प्रक्रिया का नाम नहीं, बल्कि वह विश्वास है कि हर नागरिक को अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप अवसर और अधिकार मिलेंगे .एक मजबूत लोकतांत्रिक भारत के लिए जरूरी है कि शासन पारदर्शी हो, संस्थाएं जवाबदेह हों और नीतियां समावेशी हों. लोकतंत्र तब फलता-फूलता है, जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में नज़र आता है—जब गांव से महानगर तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और न्याय की समान पहुंच हो. हमें यह संकल्प लेना होगा कि राजनीतिक स्वतंत्रता को आर्थिक और सामाजिक समृद्धि में बदलें. आत्मनिर्भर भारत केवल सरकार का एजेंडा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की साझा जिम्मेदारी है. यही वह मार्ग है, जिससे भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बना रहेगा, बल्कि आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी अग्रणी स्थान पर पहुंचेगा. स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से लहराता तिरंगा हमें यही संदेश देता है कि सच्ची आज़ादी वही है, जो सबके लिए समान अवसर, सम्मान और आत्मनिर्भर भविष्य सुनिश्चित करे. स्वतंत्रता दिवस की सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं.

भारतीय स्वतंत्र का 79वाँ वर्ष और प्रधानमंत्री मोदी

ज्योतिषाचार्य पं. प्रियंका नारायणशंकर व्यास
कोतवाली बाजार, जबलपुर (म0प्र0),
मो0नं0- 098266-21998

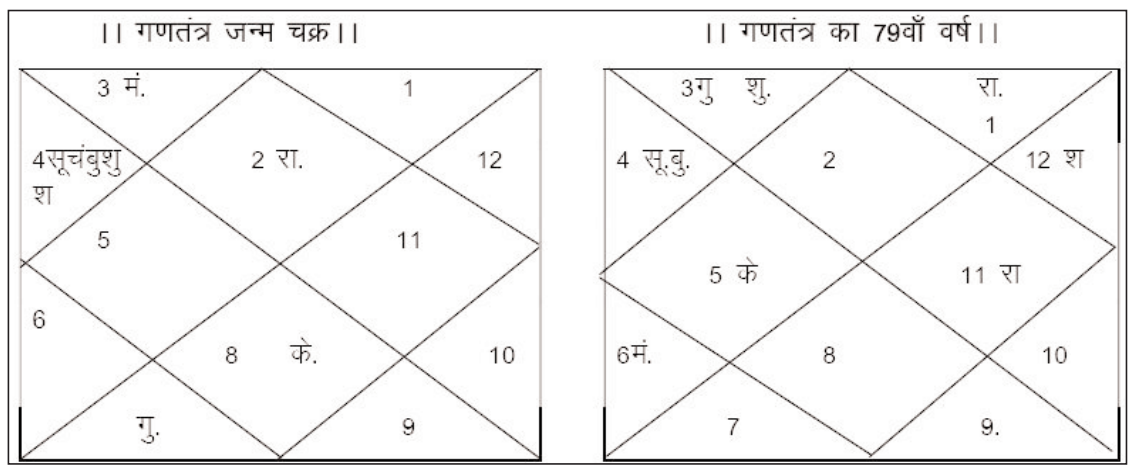

स्वतंत्र भारत का 29वां वर्ष वृषभ लग्न में ही प्रारंभ हो रहा है, जो कि भारत की जन्म लग्न है. भारतीय स्वतंत्रता की कुंडली एक अनुकूल समय में प्रवेश कर रही है, क्योंकि अशुभ अष्टम शनि अब कुम्भ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश कर रहा है. वर्तमान में चल रही मंगल महादशा में देश की रक्षा शक्ति नई ऊँचाइयों पर पहुँचेगी और पड़ोसी पाकिस्तान की आतंकवादी योजनाओं को निर्ममता से कुचल देगी. द्वितीय भाव के स्वामी 12वें भाठ में होने से. मंगल विदेशों से निवेश में वृद्धि में सहायक हो सकता है. द्वितीय भाव पर गुरु की दृष्टि और दशा स्वामी मंगल की स्थिति देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अनुकूल मानी जाएगी. अष्टम शनि के अंत का एक बड़ा प्रभाव यह हो सकता है कि पाकिस्तान को पी.ओ.के से बाहर कर, उस क्षेत्र को वापस प्राप्त किया जाए.

नरेन्द्र मोदी

अगला बड़ा प्रश्न यह है कि क्या नरेंद्र मोदी 75 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे या अपनी घोषित नीति के अनुसार पद छोड़ देंगे. अप्रैल मई 2025 से अक्टूबर 2025 तक मोदी जी मंगल महादशा में केतु की अंतर्दशा में रहेंगे. इसके बाद शुक्र की अंतर्दशा आरंभ होगी. केतु एक चुनौती पूर्ण समय बताता है और प्रधानमंत्री की सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देता है. अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2026 तक शुक्र अन्तरदशा चलेगी. शुक्र आत्मकारक है और शास्त्रों के अनुसार पद खोने का योग दे सकता है. चूंकि शुक्र लग्नेश भी है, यह पूर्व की दशाओं में मोदी को पदच्युत होने से बचाता रहा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जन्म कुण्डली और शपथ ग्रहण कुण्डली में शक्तिशाली योग है जिससे सबका साथ सबका विकास सुनिश्चित होगा. प्रधानमंत्री मोदी जी की ताकत उनकी चल रही दशा मंगल में छुपी है जिससे उनकी पत्रिका में मंगल चंद्रमा के साथ मिलकर भौमचांन्द्री महापुरूष योग बना रहा है, जो शुभ फलकारी है. जन्म पत्रिका में वृश्चिक राशि में चन्द्रमा नीच का दुर्बल होता है और जैसे ही भौमचांद्री योग बनता है वैसे ही विपरीत शक्तिशाली हो जाता है. वर्तमान दशा का स्वामी मंगल नवम्बर 2027 के उत्तरार्द्ध तक बहुत मजबूत बनाता है. मोदी जी की मंगल को लडाकू और सफल प्रबंधन के रूप में बड़ा शवित्तशाली बनाता है, जिसके परिणाम स्वरूप उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली होता है. और वे अपने मंत्रीमंडल के सदस्यों में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार और सुस्त तरीके को बर्दाश्त नहीं करते. मंगल की दशा में मोदी जी के खिलाफ षडयंत्रों को सफल नहीं होने देगी. कुल मिलाकर आने वाला समय मोदी सरकार के लिए चुनौती पूर्ण रहेगा.

.. शुभम भवतु ..

ग्वालियर चंबल डायरी

वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस जोश में, ग्वालियर बनी रणभूमि

हरीश दुबे

राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ वोट चोरी का मुद्दा जोर शोर से उछाले जाने के बाद जहां सियासत गरमाई है वहीं कांग्रेस के नेताओं से लेकर कार्यकर्ता तक जोश में दिख रहे हैं. पिछले विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद से ही मप्र में बैकफुट पर चल रही पार्टी को इसी बहाने अपने अच्छे दिन लौटने की उम्मीद लगी है. यही वजह है कि मप्र के कांग्रेस नेताओं ने अपने शीर्ष नेता द्वारा उठाए इस मुद्दे को हाथों हाथ लपका है और भाजपा के खिलाफ कार्यक्रमों और विरोध अभियानों की झड़ी लगा दी गई है. चूंकि ग्वालियर चंबल अंचल की बगावत के कारण ही करीब पांच साल पहले प्रदेश की कांग्रेस सरकार का तख्तापलट हुआ था, लिहाजा मप्र कांग्रेस कमेटी ने अपने आंदोलनों का केंद्रबिंदु ग्वालियर को ही बना लिया है. जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, हरीश चौधरी से लेकर हेमंत कटारे समेत प्रदेश कांग्रेस के कई बड़े नेता आज ग्वालियर में ही थे और वोट चोरी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों, अभियानों, मंत्रणा बैठकों और रैलियों में व्यस्त रहे.

सबसे बड़ा आयोजन ग्वालियर पूर्व सीट से दूसरी बार विधायक बने सतीश सिकरवार ने रखा. उनके नेतृत्व में 'वोट सत्याग्रह तिरंगा यात्रा' निकली जिसने दोपहर से रात तक करीब तीस किमी का सफर तय किया. प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने न सिर्फ तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया बल्कि तीनों नेता यात्रा में साथ भी चले. सतीश जिस रफ्तार से पार्टी के कार्यक्रमों में मोर्चा संभाले हुए हैं और हर इवेंट में भीड़ जुटा रहे हैं, सियासत के जानकार इसे 2028 की तैयारी मान रहे हैं. बहरहाल, शहर कांग्रेस ने भी वोट चोरी के मुद्दे पर आज रात कैंडल मार्च निकाला. कुछ घंटों के लिए कांग्रेस दफ्तर से गांधी पार्क तक की रोड कांग्रेसमय होती दिखी. बहरहाल विधानसभा चुनाव में अभी तीन साल से कुछ ज्यादा वक्त बाकी है और फिलवक्त पार्टी में जो जोश दिख रहा है, उसे इस लंबे वक्त तक बरकरार रखने के लिए पार्टी को अपने कार्यक्रमों की निरंतरता बनाए रखनी होगी.

संघ वालों ने उठाए सवाल, शाम को मंत्रीजी जाम में फंस गए...

जिस रोज संघ के एक बड़े ओहदेदार ने अखबारों के संपादकों से अनौपचारिक बातचीत में ग्वालियर की ट्रैफिक व्यवस्था को प्रदेश में सबसे खराब करार दिया और प्रतिपक्ष के साथ सत्तापक्ष के कुछ लोगों को भी अपने शहर की यह खामी उजागर करना बर्दाश्त नहीं हुआ, उसी रात सूबे के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इस खूबसूरत शहर की सड़कों पर जाम में फंस गए. मंत्री महोदय का नाराज होना स्वाभाविक था. उन्हें अपनी चिंता नहीं बल्कि वीआईपी मूवमेंट्स के दौरान तमाम सड़कों पर ट्रैफिक ब्लॉक करने से आम जनता को होने वाली परेशानी की फिक्र थी. दअरसल, विजयवर्गीय को सीएम के साथ राजकीय प्लेन से भोपाल लौटना था. महाराजपुरा एयरपोर्ट पर सीएम डॉ. मोहन यादव विजयवर्गीय का इंतजार करते रहे लेकिन मंत्रीजी जाम में ऐसे फंसे कि बमुश्किल निकल सके. सीएम को उन्हें बिना लिए ही वापस लौटना पड़ा. इधर विजयवर्गीय ने अफसरों पर जमकर गुस्सा निकाला और वीआईपी मूवमेंट के दौरान इस तरह के वाकयात की आगे पुनरावृत्ति न होने के लिए सख्त ताईद किया. प्लेन छूटने के बाद विजयवर्गीय को भोपाल के लिए ट्रेन पकड़ना पड़ी.

जब तक सूची जारी नहीं, तब तक कांग्रेस में छह जिलाध्यक्ष !

ग्वालियर चंबल में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति अगले एक दो रोज में हो जाएगी. सूत्रों की मानें तो सूची बिल्कुल तैयार है, बस ऐलान होना बाकी है. जब तक विधिवत सूची जारी नहीं होती है तब तक ग्वालियर कांग्रेस के करीब आधा दर्जन नेता खुद को नया जिलाध्यक्ष मानकर चल रहे हैं. दअरसल, ये आधा दर्जन नेता वे हैं, जिनके नाम एआईसीसी और पीसीसी के पर्यवेक्षकों ने स्थानीय कांग्रेस दफ्तरों पर रायशुमारी के बाद पैनल में शामिल किए थे. यह बात अलग है कि केसी वेणुगोपाल और हरीश चौधरी ने पर्यवेक्षकों से चर्चा कर नामों में काटछांटकर प्रत्येक जिले में पैनल को दो दो नामों तक सीमित कर दिया है. सूची जारी होने से पहले ही पार्टी में संभावित नए अध्यक्षों को बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया है.

श्वान समर्थकों-विरोधियों में बंटा देश

इतिहास में पहली बार देश का जनमत कुत्ता समर्थकों व कुत्ता विरोधियों के बीच बंट गया है. सरकारी रिकार्ड के मुताबिक 2024 में देश में कुत्ते के काटने (डॉग बाइट) के 37 लाख मामले हुए हैं. 20,000 लोग रैबीज की चपेट में आते हैं. बच्चों, बूढ़ों के अलावा ऐसे लोग भी कुत्तों के हमले के शिकार हुए हैं जो रात में अपने काम से लौटते हैं. कुत्ते उनके वाहनों का पीछा करते हैं. कूड़े-कचरे के ढेर के पास बैठा कुत्तों का झुंड भी राहगीरों के लिए खतरनाक होता है. शहर का कुत्ता किसी धोती पहने व्यक्ति को देखकर भुंकता है तो देहात का कुत्ता पैंट-शर्ट वाले को देखकर गुर्राता है. जो डरता है उसे कुत्ता और डराता है. आवारा कुत्ता काट ले तो रैबीज का खतरा रहता है. इसके लिए पहले पेट में 14 इंजेक्शन लेने पड़ते थे अब 3 में काम चल जाता है. पागल कुत्ता किसी मवेशी को काट ले तो उस गाय-भैंस के दूध के सेवन से इंसान को भी रैबीज हो सकता है. दूसरी ओर कुत्ता समर्थकों की दलील है कि कुत्ता या तो भूखा हो या आश्रय चाहता हो तभी आपके पास आता है. जीव दया व इंसानियत के नाते लोग उसे खाना देते हैं. कुत्ता इंसान से ज्यादा वफादार होता है. पहली रोटी गाय के लिए और आखिरी रोटी कुत्ते के लिए निकालने की संस्कृति रही है. भगवान दत्तात्रेय के चित्र में उनके साथ एक गाय व 4 कुत्ते नजर आएंगे. सम्राट युधिष्ठिर भी अपने पालतू श्वान को लेकर अंतिम यात्रा पर गए थे. पुलिस और फौज में भी कुत्तों को प्रशिक्षित कर डॉग स्क्वाड बनाया जाता है जो नशीले पदार्थ का पता लगाते हैं, चोर या खूनी को पकड़ने में मददगार होते है. भूकंप के मलबे में दबे लोगों को खोज निकालते हैं. कुत्ते की सुनने व सूंघने की शक्ति इंसान से कई गुना अधिक रहती है. रिसर्च में पाया गया है कि देशी कुत्ता भी प्रशिक्षित किया जा सकता है. न्याय का सिद्धांत है कि किसी का पक्ष सुने बिना उसके खिलाफ फैसला न दिया जाए. कुत्ता मूक प्राणी है जिसका पक्ष लेते हुए मेनका गांधी ने कहा कि यदि कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में डाल दिया जाएगा तो सड़कों पर बंदर आ जाएंगे और उत्पात मचाएंगे. सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों से 8 लाख आवारा कुत्ते हटाने का दिल्ली के अधिकारियों को आदेश दिया है.

निशानेबाज

सूखी सैलरी पर कौन जिए इसलिए बढ़ाया जाता है डीए

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, केंद्र सरकार के नक्शेकदम पर राज्य सरकार भी चलती है. यदि केंद्रीय कर्मचारी सीताराम का डीए 2 परसेंट बढ़ गया तो स्टेट गवर्नमेंट के कर्मचारी राधेश्याम का डीए भी उतना ही बढ़ा दिया जाता है. यह सामाजिक न्याय है जो बराबरी से किया जाता है. किसी को वंचित रखा जाए तो उसकी हाय लगेगी, इसलिए दिल्ली का दिल यदि अपने कर्मचारियों के लिए पिघलता है तो मुंबई का मन भी कहता है कि तुरंत उतना महंगाई भत्ता अपने कर्मियों के लिए बढ़ा दो. सरकार की नीतियां व योजनाएं प्रशासन लागू करता है इसलिए उसे असंतुष्ट होने का मौका न दो. यह कभी मत कहो कि तिजोरी खाली है.

हमने कहा, सैलरी यदि मीठा केक है तो महंगाई भत्ता उस पर लगी आइसिंग. डीयरनेस अलाउंस बढ़ने पर अफसर अपनी पत्नी को बताता है- माई डियर मेरा डीए बढ़ गया है. चलो पार्टी करते हैं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, कभी-कभी डीए तथा

अन्य भत्ते इतने बढ़ जाते हैं कि बेसिक वेतन पीछे छूट जाता है. पे स्लिप में हाउस रेंट अलाउंस, सिटी कंपेनसेटरी अलाउंस, ट्रैवलिंग अलाउंस, व्हीकल अलाउंस, स्पेशल पे, ओवर टाइम, नाइट अलाउंस, एंटरटेनमेंट अलाउंस का विवरण रहता है. कुछ सरकारी विभाग ऐसे हैं जहां वेतन-भत्ते के अलावा ऊपरी कमाई और कमीशनखोरी से भी कर्मचारी अपनी जेब भरते हैं. इससे कालेधन की समानांतर अर्थव्यवस्था चलती है. एक तरफ रहता है सैलरी का खाता और दूसरी ओर जनता पहचानती है कि किस डिपार्टमेंट में कौन जमकर पैसा खाता है और डकार तक नहीं लेता.

हमने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीशिएंसी खोला. अपने यहां एफीशिएंसी की बजाय लालफीताशाही चलती है. डीए का कितना भी टॉनिक पिला दो, सरकारी मशीनरी कछुआ चाल से चलती है. वहां शायद ही कोई चपलता दिखाने वाला खरगोश नजर आएगा. कितना भी वैक्यूम क्लीनर चलाओ, सरकारी फाइलों पर जमी धूल की परत हटती नहीं! सिस्टम में ईमानदार अधिकारी टिकता नहीं! उसका जल्दी से ट्रांसफर कर दिया जाता है. इतिहास में नादिरशाह, शेरशाह रहे हैं तो वर्तमान में नौकरशाह की हुकूमत चलती है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11994 -डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4	5	6
	■	7		8			
9	10		■	11			■
■	12		■	13		■	14
15		■	16		■	17	
	■	18		■	19		■
20				21	■	22	23
	■	24					

बाएं से दाएं
1. पूरा या पूर्ण करना, समाप्त करना (सं.) 4. पुष्प, सहृदय 7. परदे में रहने वाली (उर्दू) 9. काठ 11. नाई पत्नी, नाई जाति की स्त्री 12. छोटी बस्ती, मुहल्ला 13. प्राप्त करना, हासिल करना 15. लकड़ी चीरने का दांतेदार औजार 16. जानकार, जिसे ज्ञान हो 17. वायु, पवन 18. चित्त, अंत:करण, इरादा 19. समुद्र के जल की तरंग का चढ़ाव 20. इच्छा, अभिलाषा 22. एकाक्ष, एक आंख का 24. देखने में सुंदर (सं.)

ऊपर से नीचे
1. प्रश्न, पूछना, मांग, याचना, भिक्षा की याचना 2. पपड़ीदार जिसमें पपड़ी हो 3. पुरूष, मर्द, पुरूष जाति का 4. जनक की पत्नी का नाम 5. यंत्र, कल (अं.) 6. ईसाई साध्वी (अं.) 8. खानपान, अन्न जल, जीविका, रहने का संयोग 10. प्याली, छोटा कटोरा 14. परिचर्या, टहल, खिदमत 15. धार्मिक पूजाओं में मंत्र पढ़कर जल पीना 16. ज्ञान से परिपूर्ण, चिन्मय 17. पत्र आदि पहुंचाने वाला दूत, पत्रवाह 18. घर, गृह, निवास स्थान 21. माता का पिता 23. किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाला शब्द

Solution 11993

आ	शी	र्वा	द	■	अ	बे	र
न	ल	■	र	वि	■	ह	वा
वा	■	अ	■	घ	टि	या	■
न	र	मा	ह	ट	■	■	गु
■	■	व	ज	न	■	भा	ला
■	क	स	म	■	क	■	ब
ल	व	■	■	स	ल	ह	ज
ब	च	प	न	■	म	■	ल

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भवन संबंधी विवाद का सामना करना पड़ेगा, व्यर्थ वाद विवाद से मतभेद बढ़ेगा, वर्ष के मध्य में रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होगी, राज सम्मान एवं मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापार में प्रगतिहोगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख प्राप्त होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मनोबल में वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सम्मान की प्राप्ति होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक कार्योंमें सफलता प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल तथा मिलनसार होगा, नेतृत्व करने की क्षमता होगी, किसी तरह की उच्च शिक्षा का ज्ञाता होगा, नौकरी अच्छी रहेगी, आय से एक से अधिक साधन उपलब्ध होगें, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

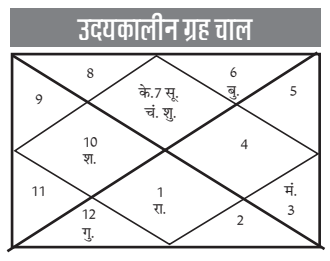

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण सप्तमीं भृगुवासरे रात 12/58, अश्विनी नक्षत्रे दिन 9/48, गण्ड योगे दिन 1/15, विष्टि करणे सू.उ. 5/32 सू.अ. 6/28, चन्द्रचार मेष, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण सप्तमीं को अश्विनी नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, जौ, चना, बाजरा आदि में मंदी का रूा रहेगा, गुड, खांड, शक्कर, कालीमिर्च, धनिया, अलसी, अरंडी में नरमीं रहेगी. भाग्यांक 9064 है.

मेष- ले देकर काम कराने की योजना सफल होगी, वैचारिक गतिरोध दूर होगें, नवीन वस्त्राभूषण आदि की प्राप्ति होगी, साहसिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

वृषभ- कारोबारी यात्रा सफल होगी, श्रम एवं प्रयास करने पर अच्छी सफलता मिलेगी, लाभ प्राप्त होगा, अनावश्यक कार्यों में न उलझे.

मिथुन- आकस्मिक लाभ के अवसर मिलेगें, जमिथुन जायजाद एवं सुख समृद्धि में वृद्धि होगी, लेखन अध्ययन के कार्यों में रूचि रहेगी, धार्मिक प्रवास का योग है.

कर्क- वाणी दोष से विवाद पैदा हो सकता है, अत्यधिक भरोसा न करें, लेखन एवं अध्ययन के कार्यों में दिन अनुकूल रहेगा, सफलता प्राप्त होगी.

सिंह- युवाओं को अच्छी सफलता मिलेगी, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यों में सफलता मिलेगी, यश मिलेगा. व्यापार व्यवसाय में प्रगति होगी.

कन्या- नई जिम्मेदारी आने से परेशानी हो सकती है, गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें, अधिकारियों की अनुकूलता रहेगी, व्यर्थ के विवाद से बचें.

तुला- रोक टोक के चलते कार्य स्थल पर विवाद संभव है, माता पिता का सहयोग कामकाज में सहायक रहेगा, स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें.

वृश्चिक- व्यापारिक साझेदारी लाभदायी रहेगी, शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी, मनोवांछित सफलता मिलेगी, आगन्तुकों के आने से हर्ष होगा.

धनु- किसी की सिफारिश से अटके काम आसानी से पूरे होगें, राजनैतिक क्षेत्र में प्रयास करने पर सफलता मिलेगी, उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा.

मकर- नाराज चल रहे लोगों को मनाना मुश्किल होगा, नये लोगों के साथ संपर्क एवं मेलजोल बढ़ेगा, आकस्मिक रूके कार्य बनेंगे, मान सम्मान प्राप्त होगा.

कुम्भ- सोचा कार्य किसी की मदद से पूरा होगा, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, अतिथि आगमन होगा, मनोरंजन आदि में खर्च होगा.

मीन- कानूनी मामलों में व्यस्तता रहेगी, नियोजित कार्य में सफलता मिलेगी, मन में हर्ष रहेगा, लाभ होगा. नवीन उपहार आदि की प्राप्ति होगी.

SUDOKU 7126

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू.दोकू 7125

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1